भट्टारक नरेन्द्रसेन

जीवन-परिचय : जैन इतिहास में नरेन्द्रसेन नाम के अनेक आचार्य हुए हैं, जिनमें सात नरेन्द्रसेन मुख्य हैं। उनमें से हम यहाँ 'प्रमाणप्रमेयकलिका' के रचयिता नरेन्द्रसेन का परिचय दे रहे हैं—

प्रस्तुत नरेन्द्रसेन छत्रसेन के पट्टाधिकारी हुए हैं। इन्होंने शक संवत् 1652 ई. में कमलेश्वर (नागपुर) के एक जिन मन्दिर में ज्ञानयंत्र की प्रतिष्ठा कराई थी। नरेन्द्रसेन तर्कशास्त्री विद्वान थे। इनके शिष्य अर्जुनसुत ने इन्हें 'वादिविजेता' और सूर्य के समान तेजस्वी कहा है। नरेन्द्रसेन के पट्टाधिकारी इनके शिष्य शान्तिसेन हुए।

नरेन्द्रसेन का समय विक्रम संवत् 1787 या 1790 है।

रचना-परिचय : नरेन्द्रसेन की एकमात्र रचना उपलब्ध है—

1. प्रमाणप्रमेयकलिका : नरेन्द्रसेन की रचना 'प्रमाणप्रमेयकलिका' न्यायविषयक है। इसमें प्रमाणतत्त्वपरीक्षा और प्रमेयतत्त्वपरीक्षा निबद्ध की गयी हैं। अर्थात् प्रमाण और प्रमेय का वर्णन विस्तारपूर्वक किया गया है।

यह लघुकाय होते हुए भी न्याय विषय का महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ है।